



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II I—एण्ड 1
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

५/१२५३
१४/१२५३

सं. ७] नई दिल्ली, भारतीय, विसम्बर १८, १९८२/ग्राहायण २७, १९०४

No. 7] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 18, 1982/AGRAHAYANA 27, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दो जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के लिए
रहा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

कार्यालय सहायक आधिकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जयपुर आयुक्त
अधिनियम १९६१ (१९६१ का ४३) की घारा २६९ थ (१) के अधीन सूचना

जयपुर, २२ नवम्बर, १९८२

आदेश संख्या : राज०/तहा०आ० अर्जन/१४४४ .—यतः मुझे भोग्न
सिंह आयुक्त अधिनियम १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें इसके
पृष्ठात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा २६९ थ के अधीन
नक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित मूल्य २५,०००/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० हृषि सूचि
है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपायद अनुदूतों में और
पूर्ण रूप से बर्णित है) रजिस्ट्रीकॉर्ट अधिकारी के कार्यालय जयपुर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन, तारीख
३ मंग्स १९८२ को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के प्रत्यह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवात में यात्रिक रूप
से कार्यालय नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, आयुक्त अधिनियम,
१९६१ (१९६१ का ४३) के अधीन कर देने के अन्तरक

के वायित्व में करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को जिसे
भारतीय आयुक्त अधिनियम, १९२२ (१९२२ का ११) या
आयुक्त अधिनियम १९६१ (१९६१ का ४३) या धन का
अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया या या किया जाता जातिए, था, छिपाने में
सुविधा के लिए,

यतः यव उक्त अधिनियम की घारा २६९ थ के अनुसरण में, मैं,
उक्त अधिनियम की घारा २६९ थ की उपधारा (१) के अन्तरान, निम्न-
लिखित व्यक्तियों, अवैत् :—

(१) श्री भोग्न पुल श्री जगद्वाप निवास ग्राम विजयपुर
बास नानसुर तहसील व जिला जयपुर (अन्तरक)

(२) श्री शाहुर कर्नेल गोविन्द सिंहपुल स्व० जर्जल धरू सिंह, शिवालया,
आसापुरा रोड, जयपुर (अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए कार्य-
धारियां करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन
की अवधि या तारकम्भी अक्तियों पर सूचना की तारीख से
३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो,
के भातर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अवित द्वारा,

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्थानिक रणनीति—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिमाणित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भाग सूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम विजयपुरा बास नानसुर तहसील एवं जिला जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 423 विमांक 3 मार्च, 1982 पर पंजीबद्ध दिक्षण पत्र में और विस्तृत रूप से विवरित है।

तारीख 22-11-82

MINISTRY OF FINANCE (Department of Revenue)

Office of the I.A.C. Acquisition Range, Jaipur.
Notice under Section 269D(I) of the Income Tax Act, 1961
(43 of 1961)

Jaipur, the 22nd November, 1982

No. Re. (IAC|Acq.)1444.—Whereas, I to Mohan Singh being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Agri. land situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Act, 1908 (16 of 1908) in the Office parent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration there of by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bhinwa S/o Shri Jagannath (Transferor)
R/o Vijaypura Bas, Nanusar,
Teh. & Distt. Jaipur.
- (2) Shri Thakur Col. Govind Singh S/o (Transferee)
Late Gen. Bherun Singh, Shiv Chhaya Building,
Khatipura Road, Jaipur.

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Agri. Land situated at Village Vijaypura Bas, Nanusar Teh. & Distt. Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur, vide Nos. 422 and 423 dated 3-3-82.

Dated : 22-11-1982.

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269ब (I) के अधीन सूचना

आवेदा संख्या : रोड/सहा० बा० अर्जम/1445 .—यह मुझे मोहन सिंह आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ब (I) के अधीन सूचना अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/-रु से अधिक है और जिसकी संखा० कृषि भूमि है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इसमें उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप में दिया है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3 मार्च, 1982 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के वृद्धमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथावौक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और प्रत्यक्त (प्रत्यक्तरकों) और अन्तरिक्त (अन्तरिक्तियों) के द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए और या

(ब) ऐसी किसी आय या धन्यात्मकों की जिन्हें सार्वतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर प्रतिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथं प्रत्यक्तिरक्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए ;

प्रतः यह उक्त अधिनियम की धारा 269ब के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, आवंत :—

- (1) श्री इंद्रा पुत्र श्री जगप्रसाद निवासी ग्राम विजयपुरा बास नानसुर (प्रत्यक्तरक)
- (2) श्री ठाकुर कर्नल गोविन्द सिंह पुत्र स्व० जर्नल भूरु सिंह शिवलाला, कर्नल राइ, जातीपुरा, जयपुर (अन्तरिक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के घर्जन के मस्वन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्प्रवर्ती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिमाणित हैं, वही भव होगा जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राम विजयपुरा बास नानुसार तहसील व ज़िला जयपुर में स्थित कृषि भूमि जो उप पंजियक, जयपुर ज़िला क्रम संख्या 42.2 विनांक 3-3-8-2 पर पंजिबद्ध विकल्प पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

तारीख 22-11-82

Notice under section 269D (I) of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961)

Ref. No. : Rej/IAC(Acq)/1445.—Whereas, I Mohan Singh being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein-after referred to as the said Act), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Agri.land. situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 3-3-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jhuta S/o Shri Jagannath, (Transferor)
R/o Vijaypura Bas, Nanusar,
Teh. & Distt. Jaipur.
- (2) Shri Thakur Col. Govind Singh S/o (Transferee)
Late Gen. Bherun Singh, Shiv Chhaya Building,
Khatipura Road, Jaipur

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Agri. land Situated at village Vijaypura Bas, Nanusar Teh. & Distt. Jaipur and more fully described in the sale deed registered S. R. Jaipur vide Nos. 422 & 423 dated 3-3-1982.

Date: 22-11-1982

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

आवेदा संख्या : राज०/सहा० आ० अर्ज०/1446.—यह: मुझे मोहन सिंह आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269 घ के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है) कि स्वावर सम्पत्ति, जिस का उचित मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो जयपुर में स्थित है, और इससे उपचाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-3-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराना प्रतिक्रिया की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्याकौक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूसराना प्रतिक्रिया के पक्षद्वारा प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकों (अन्तरिकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखा में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगशार्य अन्तरिकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए ,

यह: यह उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसारण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के प्रधान, निम्नलिखित अवितर्यों, अधीत्:—

(1) श्री हरीश कुमार चौधरी एवं श्री किशोरीलाल चौधरी (अन्तरक)

(2) श्रीमती पार्वति देवी पल्ली श्री नर्व किशोर सरसेना, बी-2, मगल सिंह मार्ग, जयपुर। (अन्तरिकों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों का भरता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आंशिक—

(क) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धीय अवितर्यों पर सूचना की तारीख से, 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवितर्यों में से किसी अवितरिकों,

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी अन्य अवितरि

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधान 20 के में परिमाणित हैं, वहीं प्रार्थ होगा जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम विजयपुरा बास नानुसार जयपुर ज़िला क्रम संख्या 736 विनांक 16-3-8-2 पर पंजियक विकल्प पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

तारीख 22-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

Ref. No. : RajIAC (Acq.)|1446.—Whereas, I Mohan Singh being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein-after referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 16-3-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not, been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269 D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harish Kumar Chaudhary & (Transferor)
Shri Kishorilal Chaudhary,
Village Khatipura, Jaipur.

2. Smt. Parvati Devi W/o Shri Nand
Kishore Saxena, (Transferee)
B-2. Bhagat Singh Marg, Jaipur.

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Office Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land situated at Bishnawala, Teh. Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide No. 736 dated 16-3-82.

Dated 12-11-1982

मायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 वा (1) के मध्येत सूचना

मारेगा संस्पर्श : राज./सदा.भा.ब्रज/1447 —यह. मुझे मोहन सिंह द्वारा अधिकारी अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 वा के मध्येत सम्मान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान सम्पत्ति, जिसका उचित भूल 35,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं. प्लाट ए है तथा जो जयपुर में स्थित है, (प्रौढ़ इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण कृप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्री-

करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 मार्च, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति, के उचित बाजार भूल से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर इस के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11 या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27 के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिखते में सुविधा के लिए ;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269 वा के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 वा की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधारत :—

(1) श्री धौर्षिराम पुत्र श्री बच्चूमल निवासी 376, आवश्यनगर, जयपुर (अन्तरक)।

(2) श्रीमती शशिकला कपूर धर्मपति श्री एम० के० कपूर निवासी बी-५, न्यूकालोनी जयपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आयोग—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाय में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अब्दोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 वा में परिभ्रामित है, वही मर्ज होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जयपुर नगर बोकड़ी हवाली शहर मिजां इस्माइल रोड, सरतवासी भार्ग में एक प्लाट नं. १० जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 724 विनाम 16 मार्च, 82 पर पंजियक विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Ref. No. : RajIAC (Acq.) 1447.—Whereas, I Mohan Singh being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein-after referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Plot-A situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 16-3-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Choith Ram S/o Shri Bachchumal, R/O 376, Adarsh Nagar, Jaipur (Transferor)
- (2) Shrimati Alka Kapoor W/o Shri M. K. Kapoor, R/o 8-5, New Colony, Jaipur (Transferee)

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 5 situated at Chokari Hawali Shahar Mirza Ismail Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide No. 724 dated 16-3-1982.

Date : 22-11-1982

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन धूम्रधन

आदेश संख्या : राज०/सहा० आ० मर्जन/1448.— यतः मुझे भोग्न तिहाई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन समाप्त ब्राह्मणीकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० ५० है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाखण भन्नसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 मार्च, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृथमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृथमान प्रतिफल से, ऐसे बृथमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए

तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त, अन्तरण निखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वापिसी में कमी करने या उससे बचने में मुश्किल के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को भारतीय प्राप्त-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), या धन कर अधिक 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा, नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

पतः प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसारण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति :—

- (1) श्री चन्द्र कुमार पुढ़ श्री बद्रदूसल निवासी 376, आर्द्ध नगर, जयपुर (अन्तरक)।
 - (2) श्री शिवपुर कपूर पुढ़ श्री एम० के० कपूर संरक्षिका श्रीमती भलका० कपूर निवासी बी-५, एम० कालोनी, जयपुर (अन्तरिक्षी)
- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष-—
- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी आकूत द्वारा,
 - (ख) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उत्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जयपुर नगर बौकड़ी तृष्णाली शहर मिजाँ इस्माईल रोड, सर्वती मार्ग, में ब्लाट नं० ५०, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा अम संचय 725 दिनांक 16-3-82 पर पंजियक विक्रय पत में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

तारीख 22-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Ref. No. : Ref]AC (Acq.)|1448.—Whereas, I Mohan Singh being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Plot-A situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Jaipur on 16-3-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Chandra Kumar S/o Shri Bachchumal, R/o 376, Adarsh Nagar, Jaipur (Transferor)
- (2) Shri Vipul Kapoor S/o Shri M. K. Kapoor, Guardian Smt. Alka Kapoor, R/o B-5, New Colony, Jaipur (Transferee)

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot No. A situated at Chokari Hawali Shahar, Mirza Ismail Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide No. 725 dated 16-3-1982.

Date : 12-11-1982

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269व्य (1) के अधीन सूचना

आवेदा संख्या : राज.०/सहा० आ० अर्ब०/1449 -यह मुझे भोल्हन सिह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269व्य के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० ए है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इसे उपायद अनुसूची में और पूरा रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट प्रभिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख 16-3-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथार्थीक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिकल के अन्तर्गत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उन पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उक्तप्रय से उक्तसे अन्तरण लिखन में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

- (क) मान्यता से हुई किसी आय की वाचस, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या मन्य प्राप्तियों को जिसे हार्दिक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या वन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्राप्त नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः यह उक्त अधिनियम की धारा 269 व्य के मान्यता से उक्त अधिनियम की धारा 269-व्य को उपचार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्,—

(1) श्री नव लाल पुल श्री बज्जूबल निवासी 376, प्रादर्श नगर, जयपुर (अन्तरक)

(2) श्रीमती अलका फूर घर्मपत्नी श्री एम० के० फूर निवासी बी-5, न्यौ कालोनी, जयपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिन के लिए कार्यान्वयिता करता है। उक्त सम्पत्ति के अधिन के संबंध में कोई भी आक्षेप-

(क) इस सूचना के राज-पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या निम्नलिखित वर्ष से 30 विन की अवधि, जो भी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अधिक द्वारा,

(ख) इस सूचना के राज-पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध यिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रवोहस्तात्तरी के पास लिखित में फिरे जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त मर्दों और पर्णों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधाय 20 के में परिचापित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

जयपुर शहर जौकड़ी हवाली बाहर, मिर्जा इस्माईल रोड़, सरतवती मार्ग, जयपुर में एक प्लाट नं० ए० जौत उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम सम्भा 726 विनांक 16-3-82 पर पंजियक विक्रय पत्र में भार विस्तृत रूप से विवरित है।

तारीख : 22-11-82

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Ref. No. : Re/JAC (Acq.)/1449.—Whereas, I Mohan Singh being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Plot-A situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 16-3-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Nand Lal S/o Shri Bachumal, R/o 376, Adarsh Nagar, Jaipur (Transferor)
- (2) Shrimati Alka Kapoor W/o Shri M. K. Kapoor, R/o 8-5, New Colony, Jaipur (Transferee)

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 5A situated at Chokari Hawali Shahar, Mirza Ismail Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide No. 726 dated 16-3-1982.

Date.—22-11-1982.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269य के अधीन सूचना

आदेश संख्या : राज०/सह०/व०/अर्जन/1450—यह: मूले, मोहन मिह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे (इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269 वा के अधीन सम्बन्धीन आधिकारी को, यह विवरण करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उल्लेख, मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी ज्ञात नं. ०८० है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इसमें उपादान अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) गजिस्ट्रीकॉर्ट अधिकारी के कायालिय जयपुर में, रजिस्ट्रीकॉर्ट अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 मार्च, 1982 को पुर्तोकित प्राप्ति के उल्लेख बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अनुशिष्ट की गई है और मूल्य विवरास करने का कारण है कि व्यापूर्वीक समाजि जा उल्लेख बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशिष्ट से प्रधिक है, और अन्तर्का (अन्तर्की) और अन्तर्दी (अन्तर्गतिप्री) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, जिसके उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में यान्त्रिक स्पष्ट से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्बा के दायित्व में कमी करने दा उससे बचने में सुविधा के लिए और; या

(ख) ऐसी किसी आय दा दिले प्रत या पात्र आमदान को जिन्हे आरक्षीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधोक्तर्ष अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया या पा दिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

यह घारा 269 वा के अधीन में, ये उक्त अधिनियम की घारा 269य की उल्लेख (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री वासुमल पुत्र श्री वसुमल निवासी 376, आदर्श नगर, जयपुर। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती अरका पपूर धर्मेन्द्री श्री एम० के० कपूर निवासी द्वी-५, न्यू काशीनी, जयपुर। (अन्तरिक्ती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्बन्धि के मर्जन के लिए कार्ड-वाहिया भरता है। उक्त सम्बन्धि के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के लिए में प्रतिवान ले आदेश में 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि वाले में भावात होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अवित द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रतिवान ले आदेश में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बन्धि में हिनदृढ़ किसी अन्य अवित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रदूक्त शब्दों वाला, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रवाय 20८ में प्रदृशित है, वही भवे होगा या जो उस प्रवाय में दिया गया है।

अनुमूली

जयपुर नगर बोर्डी हुगानो ग्राम पिंडी ईम्पार्ल राड, मरतवता मार्ग, जयपुर में एक फ्लाइ नं. १० जो उप प्रेसक, जयपुर द्वारा कर सकता ७२७ दिनांक १६-३-८२ पर प्रेसक विक्र पत्र में भीर रिस्तूत रहा से विवरणित है।

सारोक २२-१-८२

Notice under Section 269D (I) of the Income Tax Act, 1961
(43 of 1961)

Ref. No. Raj/IAC(43q)/1450.—Whereas, I Mohan Singh, being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Plot No. A situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Office at Jaipur on 16-3-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Vasumal S/o Shri Bachumal, R/o 376, Adarsh Nagar, Jaipur (Transferor)

(2) Shrimati Alka Kapoor W/o Shri M. K. Kapoor,
R/o P-5, New Colony, Jaipur (Transferee)

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. A situated at Chokari Hawali Shahar, Mirza Ismail Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide No. 727 dated 16-3-1982.

Dated.—22-11-1982.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269 व (I) के अधीन सूचना

आदेश संख्या : राज्य/सहा/आओअर्जन/1451.—यतः मुझे मोहन सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) को धारा 269 व (I) के अधीन संभाल प्राधिकारी को, यह विषयात् करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसका प्लाट नं. ५० है तथा जो जयपुर में स्थित है, और इसके उत्तर अन्तर्गत अन्तर्गत अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के उचित, तारीख 16 मार्च, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबत) मूल्य के लिए वृद्धयात् प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विस्तार करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उक्त स्थायात् प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पद्धति प्रतिणिधि से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविध में आवधिक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 का (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और; या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगात्मक अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मम उक्त अधिनियम की धारा 269 व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन, विविध अक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कर्म्मा लाल पुत्र श्री वर्म्मन निवासी 376, आदर्श नगर, जयपुर। (अन्तरक)

(2) श्री विपुल कपूर पुत्र श्री एम.के. कपूर संग्रहिका श्रीमती प्रलक्षा कपूर, बी-५, न्यू. कालोनी, जयपुर। (अन्तरिती)

मैं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयन करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के याजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धीय अक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त 'होती हो', के बीतर पूर्वोक्त अक्तियों में से किसी वर्तिका द्वारा,

(ख) इस सूचना के याजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अवधि अक्तिका द्वारा, अधिओहस्ताक्षरी के पास विविध में किसे जा सके।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधायाय 20 के परिमाणित है, यहो अर्थ होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

जयपुर नगर बौकड़ी हवाली शहर, मिडल इस्टमैन रोड, सरस्वती मार्ग, जयपुर में एक प्लाट नं. ५ जो उप पंजियक के, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 728 विनाम 16-3-82 पर पंजियक विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

तारीख 22-11-82

Notice under Section 269D (I) of the Income Tax Act, 1961
(43 of 1961)

Re: No. Raj/IAC(Acq.)/1451.—Whereas, I, Mohan Singh, being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Plot No. A situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 16-3-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kanhiya Lal S/o Shri Bachumal, R/o 376, Adarsh Nagar, Jaipur (Transferor)
 - (2) Shri Vipul Kapoor, S/o Shri M. K. Kapoor, Guardian Smt. Alka Kapoor R/o 8-5, New Colony, Jaipur (Transferee)
- objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30

days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons, interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot No. A, situated at Hawali Shahar, M. I. Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide No. 728 dated 16-3-1982.

Date : 22-11-82.

(आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

आवेदा संलग्न राज०/सहा०/वा० अज०/1452.—दलः महो मोहन सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त 'अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० १० है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे ऊपर अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-3-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 का (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने के उससे बचने में सुविधा के लिये, और या

(ख) ऐसी किसी भाय की विधि या धन या अस्त्य आस्तियों को जिसमें आर्थिक आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था कि यह जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा थी; लिये;

इसके अवधि उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ का उद्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अधोन्:—

- (1) संतानदेवी पत्नि बच्चूमल, 376, आदर्शनगर, जयपुर(अस्तरक)
- (2) श्री विपुल कपूर पुत्र श्री एम.के० कपूर, संरक्षित श्रीमति अलका कपूर, वी०-५, न्यू कालोनी, जयपुर (अस्तित्वी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजेंन के लिए कार्यवालियाँ करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अजेंन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रजापि या तरसंबंधी अधिकारी पर सूचना की तारीख से 30

दिन की प्रवृत्ति, जो भी प्रवृत्ति वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानीय सम्पत्ति में दिनांक दिनों वाले अवधिकारी द्वारा, अधिकारी के नाम लिखित में लिखे जा सकेंगे।

सम्पर्ककारण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अन्तर्गत २०५ में परिभाषित हैं, वहीं इसमें होता जो उक्त अधिनियम में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० १०, सरस्थी मार्ग, एम०आर० रोड, जयपुर जो उप-पंजियाँ, जयपुर ड्राई कम संख्या ७३९ दिनांक १६ मार्च, ८२ पर पंजियन विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

तारीख 22-11-81

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Ref. No. : Raj/IAC(Acq.)/1452.—Whereas, I Mohan Singh being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Plot-A situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer, at Jaipur on 16-3-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sita Devi W/o Shri Bachchumal, R/o 376, Adarsh Nagar, Jaipur (Transferor)
- (2) Shri Vipul Kapoor S/o Shri M. K. Kapoor, through gardian Smt Alka Kapoor, R/o B-5, New Colony, Jaipur (Transferee)

objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot No. A situated at Saraswati Marg, near M. I. Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide No. 729 dated 16-3-1982.

Date : 22-11-1982.

(आपाकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की आरा 269 घ(1) के अधीन सूचना

आरोग्य संस्था राज०/लहा०आ० आ०४५३।—यत् मुझे भोहन सिंह आपाकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की आरा 269 घ के अधीन सब मालाकारी को, यह विवाह करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति जिसका उक्त मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी संमान तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उपादान अनुभूति में और पूर्ण रूप से बंधित है) राजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कारणिय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-3-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्तित बाजार मूल्य से कम के दृष्ट्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उक्तित बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्ट्यमान प्रतिकल के पश्चात् प्रतिवर्त से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, आपाकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कर्मी करने या उपरे बढ़ने में सुविधा के लिये; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आपाकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आपाकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या बन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रफूल नहीं किया गया था या किया जाना आहिये था छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः ऊक्त अधिनियम की आरा 269 घ की उपाधान (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिनियम, अर्थात्:—

(1) श्री मनोजना शर्मा पुत्र श्री राजेन्द्र शंकर, मी०-१०, कृष्णा नगर, मी०-स्कॉम, जयपुर (मनोजना)

(2) श्री गदम लिला उज्ज्वल, मी०-२५, वाप० नार, जयपुर (गदमलिला)

जो पहले गृहना जारी करने पूर्वोक्त अधिनियम के उद्देश्य के लिये आपाकर द्वारा है। ऊक्त सम्पत्ति के अर्जन को सम्बन्ध में भाँड़ भी दाता नहीं है।

(घ) ऊक्त सुचना के आवश्यक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नियमबद्ध व्यक्तियों पर मृत्यु की तासारे ने 30 दिन की अवधि, जो भी अपविध वाद से समाप्त होती है, के भावात् पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ङ) इस गृहना के ग्राजमान में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नियमबद्ध व्यक्तियों में हितोद्ध विषी अपविध व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा गकरों।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आपाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के परिमाणित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुभूति

मकान का भाग, बरकतनार, रुपारामपुरा, जयपुर जो उप पंचायत, जयपुर द्वारा कम संख्या 575 विमान 15-3-1982 पर पंजियद विक्रम पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

तारीख 22-11-82

Notice under Section 269D (1) of the Income Tax Act, 1961
(43 of 1961)

Ref. No. : RajIAC(Acq.)1453.—Whereas, I Mohan Singh being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. House situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), at the office of the Registering Office at Jaipur on 16-3-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent Consideration there of by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Satyanarain Mishra S/o Shri Rajendra Shanker, C-19, Krishna Marg, C-Scheme, Jaipur Transferor
- (2) Shri Padam Singh Ujjawal, C-28, Bapu Nagar, Jaipur. (Transferee)

objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

House situated in Barakat Nagar Rupa Raimpura, Tonk Phata, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide No 576 and 575 dated 16-3-82.

Date : 22-11-82.

SCHEDULE

ज्ञानपुर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 296 घ (1)
के अधीन सूचना

आवेद संख्या एज०/वहा० आ०/अर्जन/1454 :—यत् मुझे मोहन सिंह ज्ञानपुर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सकान प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्तिन मूल्य 25000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इसमें उपावश्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-3-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्तिवाल भूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि दृष्टमान प्रतिफल का उक्तिवाल भूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापस, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य वास्तवियों को जिन्हें आगतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः यब उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अन्तरण में मुक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपाधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री सत्यनारायण मिश्र पुढ़ श्री राजेन्द्र शंकर, सी०-१९, छठा मार्ग, सी०-स्कॉप, जयपुर (१-१८५)

(2) श्रीमती मनम कवर पत्नी श्री लाल मिह, सी०-२४, बापूनगर, जयपुर (अन्तरित)

को यह सूचना जर्जर कार्यक्रम पूर्वोक्त गम्भीर के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना है। उक्त गम्भीर के अर्जन के नम्बन्ध में कोई भी आपेक्षा—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तात्पूर्वी—लिये १० दिनों की सूचना की तात्पूर्वी से ३० दिन की अवधि, या या अवधि बाद में समाप्त होती हो, क भावन पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अकिञ्चन द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति ये हिन्दवद्व दिनों अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिताक्षरी के पास निम्नित में किये जा गकें।

स्पष्टाकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अव्याय २०क में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा जो उस अव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जयपुर, टौक फाटक, रामगुरा रूप में मकान सम्पत्ति में हिस्सा जो उप पंजियक, अयपुर भारा कम संख्या ५७६ तिनों १३-३-८२ पर पंजियदृश विक्रय पक्ष में और विस्तृत रूप विवरणित है।
तारीख 22-11-82

मोहन सिंह, लक्ष्म आदिकारी,
ज्ञानपुर आयुक्त आयकर (निरोक्त),
अर्जन रेज, जयपुर

Notice Under Section 269 D (I) of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961)

Ref. No. : Raj/IAC(Acq)/1454.—Whereas, I Mohan Singh being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. house situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 15-3-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Satyanarain Mishra S/o Shri Rajendra Shanker C-19, Krishna Marg, C-Scheme, Jaipur. (Transferor)
 - (2) Shrimati Magan Kanwar W/o Shri Lal Singh C-28, Bapu Nagar, Jaipur. (Transferee)
- objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other persons, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House situated in Bapu Nagar, Rampur, Tonk Phatak, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur vide No. 576 dated 15-3-1982.

Date : 22-11-82.

MOHAN SINGH, Competent Authority,
Inspecting Assistant,
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.